आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून उत्तराखण्ड)
मंगलवार 20.05.2025 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा – शीघ्र ही प्रदेश के सभी निजी विद्यालयों को भी विद्या समीक्षा केंद्र से जोड़ा जाएगा।
- 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया।
- प्रदेश में चार धाम यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह, चारों धाम में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किए दर्शन।
- चम्पावत जिले की उद्यमशील महिलाओं का तीन दिवसीय बांस नर्सरी प्रबंधन व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न।

मुख्यमंत्री शिलान्यास

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि शीघ्र ही प्रदेश के सभी निजी विद्यालयों को भी विद्या समीक्षा केंद्र से जोड़ा जाएगा। जिससे इन विद्यालयों से संबंधित शिक्षकों, छात्रों और सभी शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी एक केंद्रीकृत प्रणाली के माध्यम से सरकार के पास उपलब्ध रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के विद्या समीक्षा केंद्र के गुजरात मॉडल को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है। राज्य के लगभग 16 हजार विद्यालय इस नवाचार से जोड़े जा चुके हैं। मुख्यमंत्री आज देहरादून के मांडूवाला स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में छात्रावास के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह छात्रावास, छात्रों को आवासीय सुविधा प्रदान करने के साथ ही उनके सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा भारत की स्वतंत्रता के बाद सांस्कृतिक मूल्यों, राष्ट्रवाद की भावना को पुनर्स्थापित करने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना की गई। उन्होंने सरस्वती विद्या मंदिर मांडूवाला के विद्यार्थियों द्वारा हाल ही में संपन्न हुई 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में शत–प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने पर शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार किए गए हैं।

डॉ. पनगढ़िया केदारनाथ

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और आयोग के अन्य सदस्यों ने आज केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदारनाथ के दर्शन कर देशवासियों की सुख, समृद्धि और कल्याण की कामना की। इसके

बाद डॉ. पनगढ़िया ने केदारपुरी में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि केदारनाथ में हो रहे विकास व पुनर्निर्माण के कार्य तेज गति और उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न किए जा रहे हैं। उन्होंने इन कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्तराखंड सरकार और प्रशासन द्वारा जिस प्रकार श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है, वह प्रशंसनीय है। इस अवसर पर आयोग के अन्य सदस्यों ने भी धाम में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं की प्रशंसा की।

विश्व मधुमक्खी दिवस

विश्व मधुमक्खी दिवस के अवसर पर आज राजभवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश के विभिन्न मौन पालकों और पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से राजभवन परिसर में मौन पालन उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर मौन पालकों से जानकारी ली। साथ ही प्रगतिशील मौन पालकों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को भी सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने कहा कि शहद उत्पादन को बढ़ावा देकर आर्थिक क्षेत्र में क्रांति लाई जा सकती है, जिससे न केवल आय में बढ़ोतरी होगी, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में पैदा होने वाले शहद के औषधीय गुण अलग हैं और यहां के शहद को लोकल से ग्लोबल तक ले जाने के प्रयास करने होंगे।

कार्यक्रम में पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि ''वन यूनिवर्सिटी, वन रिसर्च'' पहल के तहत अब तक 750 किसानों को मौन पालन का प्रशिक्षण दिया गया है, जो आगे 100–100 किसानों को प्रशिक्षण देकर इस क्षेत्र में व्यापक संभावनाओं को साकार करेंगे। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी पालन केवल शहद उत्पादन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परागण के माध्यम से कृषि उत्पादकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

क्लोज रिडक्शन सर्जरी

जिला अस्पताल पौड़ी में एक मरीज की कलाई के फ्रैक्चर का क्लोज़ रिडक्शन सर्जरी के माध्यम से सफल उपचार किया गया। यह प्रक्रिया बिना किसी बड़े चीरे के की गई, जिसमें आधुनिक ''नेलिंग तकनीक'' का प्रयोग हुआ। उपचाराधीन मरीज का अत्याधुनिक तकनीक से यह उपचार आयुष्मान कॉर्ड की मदद से हुआ। जिला अस्पताल पौड़ी में ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. आगम कांत और उनकी टीम ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। डॉ. आगम कांत ने बताया कि अभी हमने एक क्लोज रिडक्शन सर्जरी की है वह भी एक ऐसे मरीज की जो शरीर से भी कमजोर था और आर्थिक रूप से भी, लेकिन उपचार सही हुआ है।

जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ लोकेन्द्र दत्त सेमवाल ने कहा कि यह सर्जरी न केवल अस्पताल के लिए एक मील का पत्थर है, बल्कि स्थानीय मरीजों के लिए भी बड़ी राहत है। अब मरीजों को छोटे–छोटे फ्रैक्चर के उपचार के लिए अन्य शहरों में भटकने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

चारधाम यात्रा

प्रदेश में चार धाम यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। 30 अप्रैल को तीर्थयात्रा शुरू होने के बाद से केवल बीस दिनों में 10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों के दर्शन कर चुके हैं।

बांस प्रशिक्षण

राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद– यूकॉस्ट, देहरादून की ओर से चम्पावत जिले की उद्यमशील महिलाओं का तीन दिवसीय बांस नर्सरी प्रबंधन व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आज सम्पन्न हो गया। प्रशिक्षण में जिले भर की 60 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान महिलाओं को नर्सरी तैयार करने, पौधरोपण, बांस से विभिन्न उत्पाद तैयार करने और उत्पादित वस्तुओं से स्वरोजगार करने सहित विभिन क्रियाकलापों के बारे में जानकारी दी गई। जिले में यूकॉस्ट के वैज्ञानिक सहयोगी देवेंद्र सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं को बांस व रिंगाल की नर्सरी तैयार कर उसके उत्पादन, व्यवसायिक इस्तेमाल, मूल्य संवर्धन, आजीविका बढ़ाने आदि के बारे में जानकारी दी गई।

वहीं, मनीषा ढेक ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्हें बांस उत्पादन और विभिन्न उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

आपदा बचाव प्रशिक्षण

देहरादून जिले में विकासनगर के बाबूगढ़ डाकपत्थर क्षेत्र में एक स्कूल में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने आपदा से बचाव का प्रशिक्षण दिया। टीम ने बच्चों, शिक्षकों और स्टाफ को बताया कि किसी भी आपदा के समय पहले कुछ सेकंड कितने अहम होते हैं। इन पलों में सही प्रतिक्रिया जान–माल की हानि को काफी हद तक टाल सकती है। एनडीआरएफ के निरीक्षक पंकज कुमार का कहना है कि आपदा बचाव प्रशिक्षण का उद्देश्य स्कूल के बच्चों और स्टाफ को जागरूक करना है, ताकि किसी भी आपदा के समय वे घबराएं नहीं, बल्कि समझदारी से सही कदम उठाएं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में आग लगने, भूकंप और रेस्क्यू तकनीकों की जानकारी दी गई।